Programme(कार्यक्रम):-M.A.(Hindi) स्नातकोत्तर हिन्दी

Course (पाठ्यक्रम):-HNC -202

Title of the course(पाठ्यक्रम का शीर्षक) :-Medieval Poetry : Practical Criticism

(मध्यकालीन काव्य: व्यावहारिक समीक्षा)

No. of credits (क्रेडिट):- 04 (48Hours)

Effective from Academic Year:- 2018-19

Prerequisites for the course (पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	मध्यकालीन कवियों की संक्षिप्त जानकारी अपेक्षित है ।	
Objective (उद्देश्य)	वर्तमान संदर्भ में भक्तिकालीन काव्य की महत्ता से परिचित कराते हुए भक्तिकालीन काव्य की भावात्मक एवं वैचारिक चेतना को जीवंत करना तथा भक्तिकाल की प्रासंगिकता पर विचार करना।	
Content (विषयवस्तु)	मलिक मुहम्मद जायसी ,कबीरदास, गोस्वामी तुलसीदास मीराबाई एवं घनानन्द के काव्य की व्यावहारिक समीक्षा के मानदंड । चयनित कवि एवं कवयित्री : कविताएं 1. मलिक मुहम्मद जायसी	04 10

	निर्धारित पाठ्यपुस्तक : जायसी ग्रंथावली -संपादक - आचार्य रामचंद्र शुक्ल नखशिख- खंड 2. कबीरदास निर्धारित पाठ्यपुस्तक : कबीर - सं. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी पदसंख्या : १, २,५, १२, २० ,३९ , ४१, ७७ , ९२, १०९ , ११८ , १३०, १३४ , १३७, १४१ , १६२, २२४ ,२४७ 3.गोस्वामी तुलसीदास निर्धारित पाठ्यपुस्तक : रामचरितमानस , विनयपत्रिका एवं कवितावली • रामचरितमानस संवाद- विभीषण- राम- लंकाकाण्ड : • विनयपत्रिका : • अब लौं नसानी अब न नसैहौं। ii105ii • मैं हरि पतितपावन सुने।ii160ii ऐसो को उदार जग माहीं ? ii162ii जाके प्रिय न राम बैदेही। ii174ii मन पछितैहै अवसर बीते। ii 198ii कवितावली: बालकाण्ड - एक से पांच पद। • .1अवधेश के द्वार सकार गई ... • .2पग नूपुर औ पहुंची करकञ्जनी... • .3तन की दुति श्याम .... • .4कबहुँ ससि मांगत .. • .5बार दन्त की पंगतिकुंदकली अयोध्या काण्ड मनो रासि..... बधु- पुर ते निकसी रघबीर - . महातम तारकमै (तुलसी ग्रंथावली द्वितीय खंड , नागरीप्रचारिणी सभा , वाराणसी) 4.मीराबाई - : निर्धारित पाठ्यपुस्तक : मीराबाई की पदावली - सं. परशुराम चतुर्वेदी पद संख्या :१. मैं तो सांवरे के रंग रांची। २. सखी मेरी नींद नसानी हो। ३.तनक हरि चितवौ जो	10 12 12

	मोरी ओर। ४. हरि मेरे जीवन प्राण आधार। ५. बादल देख दरी हो श्याम। ६.सुण लीजो बिनती मोरी। ७. ज्या संग मेरा न्याहा लगाया। ८. हरि तुम कायकू प्रीत लगाई। ९. तुम बिन मेरो कौन खबर ले। १०. हरि गुन गावत नाचूंगी। 5. घनानंद - निर्धारित पाठ्यपुस्तक- घनानंद कवित्त (सं) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र कवित्त संख्या - 2,12,15,24,40,78,87,112,140,278 ।	
Pedagogy अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद - विवाद - संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण, वृत्त चित्र	
References/readings (संदर्भ ग्रंथ)	1. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी -कबीर, राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली , संस्करण १९९५ . 2. रामचंद्र तिवारी - कबीर -मीमांसा , लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद ,सं. १९९५ 3.डॉ. वासुदेव सिंह -कबीर ,साहित्य ,साधना और पंथ , संजय बुक सेंटर वाराणसी , सं. १९९३ 4. डॉ.वासुदेव सिंह- मध्य -कालीन काव्यसाधना ,संजय बुक सेंटर वाराणसी , सं.१९८१ 5. आचार्य रामचंद्र शुक्ल - त्रिवेणी ,नागरीप्रचारिणी सभा , वाराणसी सं. १९८३ 6.वासुदेव शरण अग्रवाल - , पद्मावत लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद ,सं.२००० 7.ललित शुक्ल -पद्मावत संदर्भ कोश ,स्टैंडर्ड पब्लिशर्स इण्डिया नई दिल्ली ,सं.१९९९ 8. विजयदेवनारायण साही -जायसी , हिन्दुस्तानी एकेडेमी इलाहाबाद सं. १९९३ 9. माताप्रसाद गुप्त - तुलसीदास , हिंदी परिषद प्रकाशन इलाहाबाद सं.१९५७ 10.माताप्रसाद गुप्त - तुलसी ग्रंथावली -भाग १,२ , हिन्दुस्तानी एकेडमी प्रयाग सं. १९५० 11.डॉ.गोपीनाथ तिवारी (सं.)-तुलसीदास विभिन्न दृष्टियों का परिप्रेक्ष्य विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी सं.१९७३ 12. पुरुषोत्तम अग्रवालः कबीरःसाखी और सबद,नेशनल बुक ट्रस्ट,नई दिल्ली, 2016।	